लिगेसी लैंडफिल: सभी कचरा-डंप साफ करने का लक्ष्य दिसंबर 2027 तक बढ़ा, 1,139 लाख टन कचरा शेष

समाचार-संदर्भ: इंडियन एक्सप्रेस, 11-12 नवंबर 2026 (स्वच्छ भारत मिशन डैशबोर्ड के आंकड़े)



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

देश के सभी लिगेसी लैंडफिल (पुराने कचरा-डंप) साफ करने का लक्ष्य अब दिसंबर 2027 तक बढ़ा दिया गया है। शहरों में अभी भी 1,139 लाख टन कचरा 4,632 एकड़ में फैले लिगेसी लैंडफिल पर उपचार (remediation) की प्रतीक्षा में है।

डैशबोर्ड के ताज़ा आंकड़े

- कुल 2,607 डंपसाइट में से 1,402 पूरी तरह उपचारित हो चुकी हैं; 1,057 पर कार्य चल रहा है और 148 साइट पर कोई प्रगति नहीं दर्ज है।
- कुल 3,135 लाख टन कचरे (15,545.05 एकड़ में) में से 64% कचरे का उपचार और 70% क्षेत्र पुनः प्राप्त (reclaim) हो चुका है।
- शेष कार्य: 1,139 लाख टन कचरा, 4,632 एकड़ क्षेत्र।

लक्ष्य में कैसे बदलाव आया

- स्वच्छ भारत मिशन-अर्बन 2.0 (2021 में शुरू) के तहत आवास और शहरी मामले मंत्रालय ने पांच साल की मिशन-अवधि (1 अक्टूबर 2026 तक) में सभी लिगेसी डंपसाइट हटाने की योजना बनाई थी।

- मिशन अब मार्च 2027 तक बढ़ाया गया है; अधिकांश शेष लैंडफिल मार्च 2027 तक साफ हो जाएँगे, परंतु कुछ को दिसंबर 2027 तक का समय लगेगा।
- पिछले वर्ष मंत्रालय ने 'डंपसाइट रेमेडिएशन एक्सेलेरेटर प्रोग्राम' शुरू किया था, जिसमें 214 ऐसी साइट चुनी गईं जिनमें शेष कचरे का 80% हिस्सा है।

दिल्ली और बड़े शहरों की स्थिति

- स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह के मौके पर शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दिल्ली की भलस्वा साइट का काम "31 दिसंबर तक" पूरा हो जाएगा; वहाँ पुराना कचरा साफ होगा, पर ताज़ा कचरा अलग से संसाधित होगा।
- ओखला साइट लगभग साफ है, जबकि गाज़ीपुर को एक साल और लगेगा; बड़े शहरों में सबसे अधिक कठिनाई चेन्नई और मुंबई में है।
- मुंबई के ड्योनार डंपसाइट (एशिया के सबसे पुराने और बड़े लिगेसी लैंडफिल में से एक) से कचरा हटाने के परीक्षण हाल ही में शुरू हुए हैं।

परीक्षा के लिए भेद

ये तथ्य अलग-अलग याद रखें: नया लक्ष्य दिसंबर 2027 (मिशन विस्तार मार्च 2027); SBM-U 2.0 की शुरुआत 2021 और मूल समाप्ति-तिथि 1 अक्टूबर 2026; 2,607 डंपसाइट में 1,402 पूर्ण उपचारित, 1,057 चालू, 148 बिना प्रगति; 64% कचरा उपचारित, 70% क्षेत्र पुनः प्राप्त; डंपसाइट रेमेडिएशन एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के 214 साइट = शेष कचरे का 80%; भलस्वा 31 दिसंबर तक, गाज़ीपुर एक वर्ष और, कठिनतम चेन्नई-मुंबई (ड्योनार)।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: लिगेसी लैंडफिल उपचार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. सभी लिगेसी लैंडफिल साफ करने का लक्ष्य अब दिसंबर 2027 है।

II. स्वच्छ भारत मिशन-अर्बन 2.0 की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी।

III. डंपसाइट रेमेडिएशन एक्सेलेरेटर प्रोग्राम में चुनी गई 214 साइटों में शेष कचरे का लगभग 50% हिस्सा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II

(b) केवल II और III

(c) केवल I और III

(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

- कथन I सही है: लक्ष्य दिसंबर 2027 तक बढ़ाया गया है।
- कथन II सही है: SBM-U 2.0 वर्ष 2021 में शुरू हुआ और मूलतः 1 अक्टूबर 2026 तक चलना था।
- कथन III गलत है: 214 साइटों में शेष कचरे का लगभग 80% हिस्सा है, 50% नहीं।

प्रश्न 2: स्वच्छ भारत मिशन डैशबोर्ड (नवंबर 2026) के अनुसार कुल 2,607 डंपसाइट में से कितनी पूरी तरह उपचारित हो चुकी हैं?

(a) 1,057

(b) 1,402

(c) 1,139

(d) 148

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

1,402 साइट पूरी तरह उपचारित हैं; 1,057 पर कार्य चल रहा है और 148 पर कोई प्रगति नहीं है। (1,139 लाख टन शेष कचरे की मात्रा है – यह आंकड़ा उलझाने के लिए रखा गया है।)

पाठ्यक्रम मानचित्रण:

प्रिलिम्स: पर्यावरण और शहरीकरण – ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ भारत मिशन (GS-III)

संबंधित अध्ययन

- स्वच्छ सर्वेक्षण के दस साल: शहरी स्वच्छता में प्रतिस्पर्धा से संस्थागत बदलाव तक

स्रोत

1. इंडियन एक्सप्रेस: सभी लिगेसी लैंडफिल के उपचार की समयसीमा दिसंबर 2027 तक बढ़ी, 11-12 नवंबर 2026